OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Role of Women Entrepreneurs in Current Economic Scenario 2021

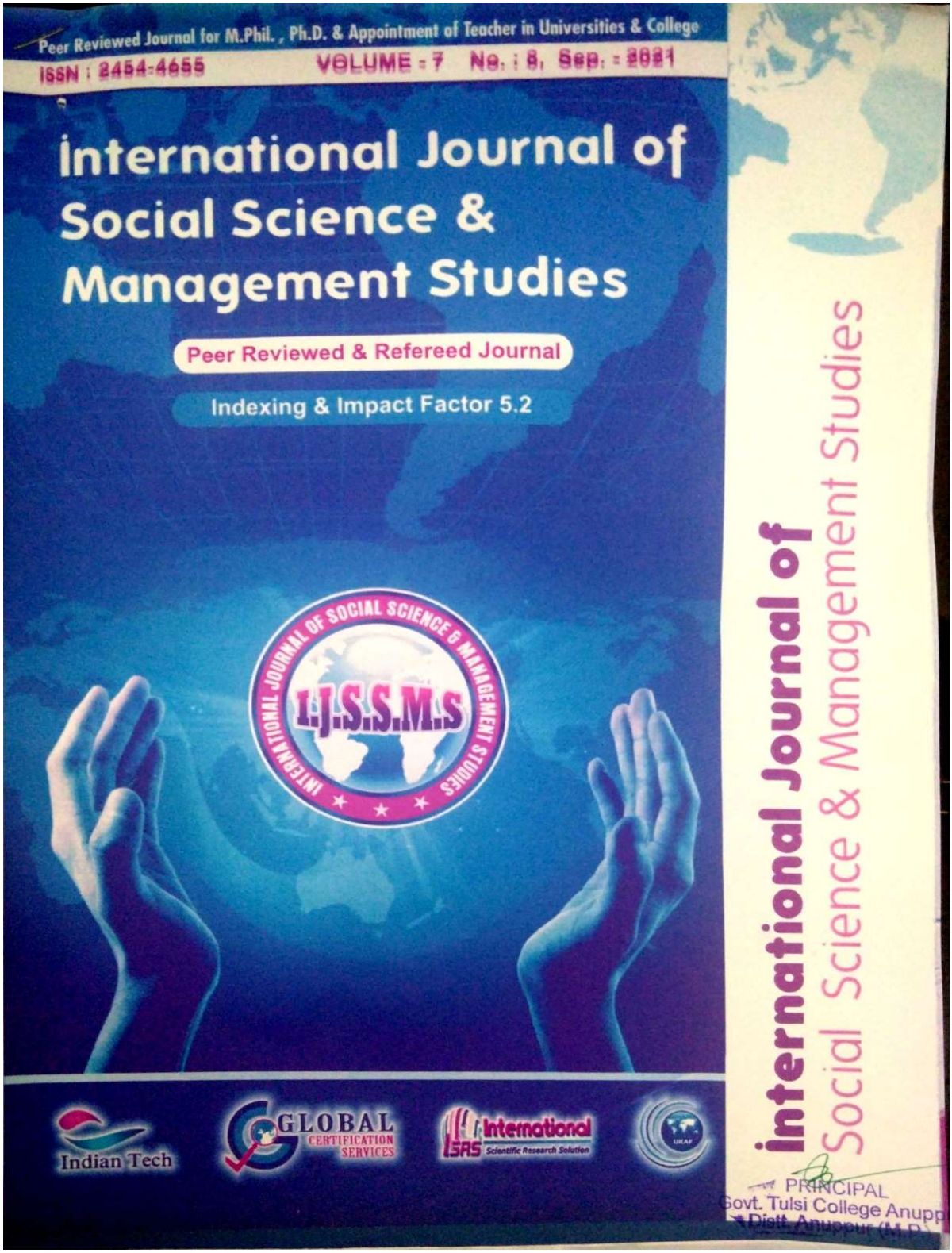

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

CONTENTS

S. No.	Paper Title	Author Name	Page No.
1	मध्यकालीन राजस्थान का सामाजिक सांस्कृतिक ढांचा एवं मीरा	गोल्डी	1-4
2	खनन व्यवसाय एवं प्रारूप एक भौगोलिक अध्ययन	चन्द्रशेखर	5-9
3	मीरा बाई एवं महादेवी वर्मा के साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता	प्रियंका जैन	10-15
4	श्रम कल्याण की सुविधाओं से कोयला खान कर्मचारियों की कार्यकुशलता में प्रभाव का अध्ययन (सोहागपुर क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में)	वर्षा गुप्ता डॉ. अशोक कुमार मराठे	16-19
5	जैविक खेती के पर्यावरण पर प्रभाव का अध्ययन (उमरिया जिले के विशेष सन्दर्भ में)	तनूजा सराफ डॉ आशा अग्रवाल	20-23
6	शिक्षा के प्रति छात्रों में जागरूकता	रविन्द्र कुमार सिंह	24-27
7	वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में महिला उद्यमियों की भूमिका	डॉ. तरन्नुम सरवत	28-29
8	सन्देह और भ्रान्तिमान अलङ्कार–साम्यवैशम्य	डॉ. आनन्द कुमार दीक्षित	30-34
9	विश्वव्यापीकरण को प्रोत्साहन देने हेतु सरकार द्वारा किए गए उपाय	Dr. Deepika Shukla	35-39
10	मध्यप्रदेश के सागर जिले में लाभार्थियों के जीवन–स्तर पर महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का प्रभाव	डॉ. उतसव आनन्द अमरजीत साहू	40-44
11	वाल्मीकि परिवार एवं दहेज निरोधक अधिनियम (1961) की जागरूकता : एक अध्ययन (छिन्दवाड़ा नगर के विशेष संदर्भ में)	प्रताप सिंह गोदरे डॉ. दिनेश कुमार सुर्यवंशी	45-46
12	दक्षिण एशिया की राजनीति में अफगानिस्तान की भूमिका	डॉ. रमा सिंह	47-50
13	मध्य प्रदेश के सतना जिले में पर्यटन उद्योग एवं रोजगार की संभावना	डॉ. प्रवीण कुमार पाठक	51-56
14	भारत में महिला श्रमिक की आर्थिक स्थिति का विश्लेषात्मक अध्ययन	डॉ. महेन्द्र कुमार रैना	57-60
15	महिला सशक्तीकरण में शिक्षा की उपयोगिता	डॉ. प्रियंका द्विवेदी	61-66
16	मध्यप्रदेश में कृषि उत्पादन का स्वरूप : एक अध्ययन	डॉ. अनीता पाण्डेय	67-71
17	पंचायती राज संस्थाओं में दलित महिलाएं : एक राजनीतिक विश्लेषण	श्याम कुमार	72-75
18	मिथिला राज्य आन्दोलन : राजनीतिक दर्शन	राम बाबू चौपाल	76-81
19	लम्बी कविताओं के कवि मलयजी	दीप्ति सैनी	82-82
20	समकालीन स्थापत्य एवं कला	हरचन्दी अहिरवार	83-84
21	भारतीय संविधान व डॉ. अम्बेडकर	महरूख फात्मा	85-87

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. - 8, Sep. - 2021 | 2021

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में महिला उद्यमियों की भूमिका

डॉ. तरन्नुम सरवत
गेस्ट लेक्चर, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)

स्वतंत्र भारत मे महिलाओ को समाज में आर्थिक सामाजिक एवं राजनैतिक दृष्टि पुरूषो के समकक्ष समानता का दर्जा प्राप्त है। देश मे बालिका शिक्षा की ओर केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारे अनेक योजनायें प्रदान कर रहीं है। स्त्री शिक्षा के विस्तार के साथ–साथ महिला आर्थिक सशक्तिकरण की अवधारणा का समर्थन प्राप्त कर रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान बढ़ रहा है और उन्हें स्वाबलम्बी बनाने के लिये अनेक प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार योजनाओं को केन्द्र स्तर पर एवं राज्य स्तर पर चलाया जा रहा है। जिसमे म.प्र. मे महिला वित्त निगम द्वारा स्वसहायता समूहो विभिन्न महिला समूहो तथा ग्रामीण महिला उद्यमियो द्वारा बनायी गयी सामग्रियों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिये ममत्व मेले का आयोजन किया जाता है। मेले के दौरान महिला उद्यमियों को विशेषतौर से ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादो को सीधे शहर मे बेचेने का अवसर मिलता है। जिससे उनमें आत्म विश्वास की भावना जागृत होती है। म.प्र. में महिलाओं के विकास के लिये कुछ जिलो में विशेष प्रकार से चलाई जा रही योजनायें है। जिसमें 9 जिले है सिहोर, टीकमगढ, बैतुल, होशंगाबाद, उज्जैन, इन्दौर, देवास, छतरपुर एवं खण्डवा। जिसमें स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से लगभग 2100 स्वसहायता समूहो का गठन किया गया है। महिला योजनायें सबसे पहले उनको शिक्षा और अधिकार की भी जरूरत है व्यस्क महिलाओं को शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिये 1958 में प्रारम्भ की गयी। जो केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड द्वारा चलायी जा रही है। जिससे उनको आगे बढ़ने के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किये जा रहें है। महिला एवं पुरूष सष्ट के दो पहिये है जब तक दोनों का बराबर विकास नहीं होगा। विकास की गाड़ी असंतुलित हो जायेगी। यदि महिला उद्यमिता को आगे बढ़ाना है तो महिलाओं को आगे लाकर मजबूत करना होगा। यह दायित्व सरकार का नहीं है। बल्कि हम सभी का है। समाज का हर पुरूष तथा हर स्त्री समाज में अपने दायित्व तथा कर्तव्य को समझे आज की नारी जीवन के हर पक्ष में पुरूष की प्रतिस्पर्धा में खड़ी हो गयी है।

प्रतिस्पर्धा उनकी भावनायें पुरूषों का नकल करने लगी है। आज भी पुरूष अपने आप को श्रेष्ठ समझता है नारी पर अपना अधिकार समझता है। उसे अपनी सम्पत्ति समझता है। आधुनिक युग में नारी ने पुरूषो के बराबर अधिकार पाने के लिये कई स्त्रियों आन्दोलन एवं संगठन को जन्म दिया। दुनिया के दुसरे देशों में स्त्री स्वतंत्र आन्दोलन चले जिससे स्त्रीयों को अपने अधिकार के लिये लम्बा संघर्ष करना पड़ा है। भारतीय समाज भी एक पुरूष प्रधान एवं पितष्सत्तात्मक परिवार व्यवस्था मानने वाला समाज है जिसमें स्त्रीयों का कार्यक्षेत्र घर की चार दीवारी तक ही सीमित रहा है। आर्थिक रूप से वे सदैव पुरूषों पर निर्भर रही है तथा उन्हें शिक्षा एवं बाह्य जगत से भी दूर रखा गया। किन्तु पिछले कुछ वर्षो से भारत में कई महिला संगठन बनें। प्रमुख आन्दोलन एवं प्रदर्शन किये गये। बढती मंहगाई पुरूषों के समान स्त्रीयों को अधिकार देने तथा दहेज के कारण महिलाओं को जला देना या प्रताड़ित करना, बलात्कार, शोषण, हत्या, स्त्रीयों के साथ अमानवीय व्यवहार एवं उन्हें बेइज्जत करना तथा इस आन्दोलन मे भाग लेने वाली अधिकाश महिला मध्यमवर्गीय रहीं है।

1971 में भारत सरकार ने स्त्रियों की परिस्थिति के बारे में एक समिति गठित की जिसने 1974 मे स्त्रियों की उन्नति के बारे में भारत ने सर्वत्र स्वागत किया। एक अखिल भारतीय संगठन भी है जो महिलाओं को तकनीकी परामर्श देना तथा बैंको तथा अन्य संस्थानों से ऋण दिलाने एवं बाजार की सुविधा दिलाने का प्रयास किया गया है।

भारत में महिला उद्यमिता मे भी प्रगति हुई है। आज अनेक महिलायें स्वय के कारखाने एवं उद्योग चला रही है। आज अनेक महिलाये सरकारी एवं गैर सरकारी नौकरियों में कार्यरत है। वे प्रशासक, राजनेता एवं उच्चराजकीय सेवाओं मे पुरूषो के समकक्ष ही कार्य कर रही है।

महिला उद्यमिता के लिये विशेष प्रकार से योजनायें चलायी जा रही है –

- स्व–सहायता समूह द्वारा अपने सदस्यों से वसूली की प्रक्रिया की आवश्यकतानुसार निर्धारण, वसूल

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. - 8, Sep. - 2021 | 2021

राशि, परियोजना अधिकारी के माध्यम से जिला महिला बाल विकास अधिकारी के खाते में जमा की जायेगी।

- टंकड प्रशिक्षण योजना – शिक्षित बेरोजगार लड़कियों/महिलाओं को आई.टी.आई. या अन्य शासकीय तथा अशासकीय संस्थाओं जो कि टंकड प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। जिसमें बोर्ड द्वारा होने वाली परीक्षा दे सके। जिससे 50 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिये आरक्षण का प्रावधान है।

महिलाओं के लिये तीन दिवसीय उद्यमिता जागरण कार्यक्रम रखा गया है –

- महिला को उद्यमशील गतिविधियो के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना।
- स्वरोजगार एवं व्यवसाय के प्रति महिलाओं मे रूचि पैदा करना।

महिलाओं में आर्थिक आत्म निर्भरता का बोध कराना सरकार महिलाओं के कल्याण तथा विकास के लिये समय–समय पर कार्यक्रमों तथा उनसे सम्बन्धित परियोजनाओं का क्रियान्वयन करती है। योजनाओं का क्रियान्वयन स्वास्थ्य व परिवर्तन कल्याण मंत्रालय, श्रम मंत्रालय, समाज कल्याण, ग्राम विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है। सभी योजनाये महिलाओं को आर्थिक तथा सामाजिक रूप से स्वतंत्र बनने तथा आर्थिक रूप से स्वाबलम्बी बनाने के लिये अग्रसर है।

- 1997 करतूरबा गॉधी शिक्षा योजना – लक्ष्य–महिला साक्षारता में वृद्धि।
- 2000 स्त्री शक्ति पुरस्कार योजना – लक्ष्य–महिलाओं को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करना।
- 2001 महिला स्वधार योजना – लक्ष्य – स्वसहायता समूहो द्वारा महिलाओं का आर्थिक विकास।
- 2002 राष्ट्रीय पोषाहार योजना – लक्ष्य – गरीब महिलाओं को सस्ते दर पर अनाज प्रदान करना।
- 2003 जननी सुरक्षा योजना – लक्ष्य– बीमारी से निजात दिलाना।
- 2003 जननीय सुरक्षा योजना – लक्ष्य – गर्भवती महिलाओ को स्वास्थ्य सुरक्षा देना।
- 2003 आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्त योजना – लक्ष्य – अल्पसंख्यक समुदाय के लड़कियों को शिक्षा।
- 2004 वंदे मातरम योजना – लक्ष्य – गरीब महिलाओं के लिये स्वास्थ्य सम्बन्धी।
- 2004 कस्तूरबा विद्यालय योजना – लक्ष्य – आवासीय विद्यालयों की स्थापना।

स्त्री–पुरूष की अपनी–अपनी क्षमता के अनुसार भी होता है। उनका कहना है कि पुरूष तथा नारी में आत्मा तो एक ही है। अतः दोनों में समानता ही कोई किसी से श्रेष्ठ नहीं अतः किसी के द्वारा सम्पादित कार्य किसी अन्य के द्वारा किये गये कार्य न श्रेष्ठतर है, न निम्नतर। पुरूष शारीरिक रूप से कड़ा परिश्रमी तथा परिवार के भरण–पोषण का कार्य मिला है। नारी स्वभाव से प्रेम रूप है इसी कारण प्रकृति ने ही नारी को माँ बना दिया है। तथा उसी क्षमता के कारण वह गृह लक्ष्मी कही गयी है घर की देवी बन गयी। वर्तमान समय में महिलायें उद्यमी विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में आसानी से कार्य कर रहीं है। चाहे वह परम्परागत क्षेत्र हो या इंजीनियरिंग इलेक्ट्रानिक, रेडिमेड, गारमेन्ट की बात हो प्रेरणा एक ऐसा तत्व है जो उद्यमिता के लिये परम आवश्यक होता है। जो चुनौतियों और नवाचारों को अपनाने व सामाना करने का साहस प्रदान करता है। महिलायें अपने सहयोगी कार्य करने में तालमेल रखने में बहुत ही सक्षम होती और महिलायें कार्य करने के प्रति ज्यादा ईमानदार होती है एवं महिलायें किसी भी कार्य को करने के लिये उनमें जिज्ञासा होती है और महिलायें उस कार्य को पूरा कर डालती है। और महिला उद्यमियों को सरकार ने कई योजनायें चलाई है जो महिलाओं को महत्वपूर्ण प्रेरणा प्रदान कर रहीं है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

- वार्षिक प्रतिवेदन महिला बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली।
- महिला बाल विकास विभाग रीवा।
- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली।
- शोध प्रविधि प्रो. गौरी शंकर, डॉ. रवि प्रकाश पाण्डेय
- उद्यमिता विकास, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
- जिला सांख्यिकी कार्यालय रीवा
  योजना का – दैनिक भास्कर
  मूल्यांकन – दैनिक जागरण
  – नव भारत
  – रोजगार और निर्माण

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)